सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-554
12/11/2017

मुख्यमंत्री ने प्रकाश पर्व के समापन सामारोह की तैयारियों का लिया जायजा

पटना, 12 नवम्बर 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के 350 वें प्रकाशोत्सव के समापन समारोह की तैयारियों का जायजा लिया और इससे संबंधित विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने बाइपास स्थित प्रकाश उत्सव के अवसर पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए रहने सहने के लिए बनाए जाने वाले टेंट सिटी का निरीक्षण किया। इस संबंध में उन्होंने पूछा कि कितने दिनों में निर्माण कार्य की तैयारी हो जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि 15 दिन में तैयारी पूरी कर ली जाएगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि भूमि को समतल कीजिए, ब्रिक सोलिंग, फर्श को उडेन बनाइये। मच्छरों से बचाव के लिए नेट का प्रयोग कीजिए। टॉयलेट, वेंटिलेशन का प्रबंध कीजिए, हर चीज में क्वालिटी मेंटेन कीजिए। पिछले बार की गांधी मैदान में जैसी व्यवस्था थी उसी के समान व्यवस्था इस बार भी की जाए। उन्होनें कहा कि दीवान हॉल वैसा ही बनाइये। इसके लिए अधिकारियों को कहा कि माइक्रो लेबल पर हर एक चीज पर नजर रखिए।

बाइपास टेंट सिटी के निरीक्षण के उपरांत मुख्यमंत्री कंगन घाट पहुँचे। कंगन घाट पर सौंदर्यीकरण से संबंधित निर्माणाधीन स्ट्रक्चर को प्रकाश पर्व समापन समारोह के पूर्व पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही सौंदर्यीकरण संबंधी भी कई सुझाव दिए। पांच हजार की संख्या वाले दो लंगर को बनाने का निर्देश दिया। श्रद्धालुओं को आने–जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, रास्ते की दूरी कम हो इसके बारे में भी निर्देश दिया। इसके बाद मुख्यमंत्री तख्त श्री हरमंदिर साहिब पहुँचे और वहाँ उन्होंने मत्था टेका। तख्त श्री हरमंदिर साहिब गुरुद्वारा कमिटी के प्रबंधक ने मुख्यमंत्री को सरोपा भेंट किया।

इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने गुरुद्वारा प्रबंध कमिटी के ऑफिस स्थित सभा कक्ष में प्रबंधन कमिटी के व्यवस्थापकों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री ने प्रबंधन कमिटी से कहा कि प्रकाश पर्व का आयोजन गुरुद्वारा कमिटी को ही करना है, जिसमें हमलोग हर तरह का सहयोग करेंगे। प्रकाशोत्सव के अवसर पर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो इसका पूरा ख्याल हमलोगों को रखना है। यहाँ लोग बड़ी संख्या में बाहर से आयेंगे, उन्हें कोई दुख तकलीफ न हो और खुश होकर यहाँ से जायें, इसका हमलोगों को ध्यान रखना है। आपलोगों का जो सुझाव हो, उसे दीजिए, अभी समय है उसको पूरा किया जाएगा।

बैठक के बाद पत्रकारों द्वारा पूछे गये प्रश्न का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार से 350 वें प्रकाशोत्सव के अवसर पर राज्य सरकार ने सहयोग किया था, इसबार भी वैसा ही करेगी। चूंकि आप जानते है कि इस वर्ष 2017 में दो प्रकाश पर्व हो गया है। अगर पिछली बार जनवरी में था तो इस बार दिसम्बर में है इसलिए इसको सफल बनाना हमने अपना फर्ज समझा है, कर्तव्य समझा है। यहां बहुत बड़ी संख्या में मत्था टेकने के लिए श्रद्धालु आते हैं। पिछली बार जिस तरह का आयोजन हुआ इसके बारे में पूरे देश में और देश के बाहर दुनिया के अन्य देशों में भी सिख समाज के लोग रहते हैं, उनको यहां के बारे में

जानकारी मिली है और जो नहीं भी आये हैं उनके मन में यह उत्सुकता है तो इस बार भी बहुत ज्यादा लोगों के आने की सम्भावना है। ऐसी स्थिति में राज्य सरकार पूरे तौर पर जिस तरह के पैटर्न पर सहयोग किया था इस बार भी करेगी। फर्क सिर्फ इतना ही है कि पिछली बार पटना के गांधी मैदान में एक आयोजन किया गया था उसकी आवश्यकता इस बार नहीं है। लेकिन जहां तक बाईपास में टेंट सिटी, दीवान हॉल और फिर कंगन घाट में टेंट सिटी ये सब चीजें जो बननी है ठीक उसी तरह से बनाया जा रहा है। इस बार संख्या कुछ ज्यादा ही सोचकर किया जा रहा है। लंगर की पर्याप्त व्यवस्था हो, आवागमन में कोई असुविधा न हो। इस तरह से जिस प्रकार की व्यवस्था पिछली बार राज्य सरकार के स्तर से की गयी थी इस बार भी की जायेगी और जो गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी है उससे मिलकर चर्चा भी इस सम्बन्ध में की गयी है और आज भी बात हुई है। मुझे पूरी उम्मीद है सबलोगों के सहयोग से और जिस तरह से पिछली बार समाज के हर वर्ग के लोगों ने जो सिख श्रद्धालु पूरे देश से आयें उन्हें बहुत सम्मान दिया इससे उनके मन में एक अच्छी भावना पैदा हुई बिहार और बिहारवासियों के प्रति, इसलिए हम इस बार भी आग्रह करेंगे बिहारवासियों से, पटनावासियों से खासकर पटना साहेब इलाके में रहनेवाले लोगों से कि जिस तरह पिछली बार प्रकाश पर्व के अवसर पर लोगों ने सहयोग किया और जो श्रद्धालु आये उनके लिए उनके सेवा के लिए लोग तत्पर रहे, इस बार भी वही व्यवहार होना चाहिए। क्योंकि दुनिया भर के जो सिख श्रद्धालु हैं उनका यह महत्वपूर्ण स्थल है। बिहारवासियों के लिए तो यह गौरव की बात है कि गुरु गोविन्द सिंह जी महाराज का जन्म यही हुआ था। इसलिए हर प्रकार की जो जरूरत है इसमें राज्य सरकार अपने दायित्वों का निर्वहन करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रकाश पर्व का जो आयोजन है वह गुरुद्वारा का है। ये जो कहेंगे हमलोगों का पूरा सहयोग रहता है क्योंकि यह आयोजन इनका है। इसके बारे में इनको तय करना है, हमलोगों का काम है इनको हर प्रकार से सहयोग करना, फैसिलिटेट करना। हमलोगों को मालूम है कि अगर हमलोग राज्य सरकार की तरफ से बहुत कुछ नहीं करेंगे तो ये उतना नहीं कर सकते हैं इसलिए टेंट सिटी का निर्माण कराते हैं ताकि बाहर के लोग आयें तो उनके रहने का इंतजाम हो जाए। उन्होंने कहा कि आप जानते है इस बार भी समन्वय समिति के अध्यक्ष जी0एस0 कंग जो हमारे मुख्य सचिव रहे है, इस बार भी बनाये गए हैं। वह भी सभी तरह का को–आर्डिनेशन कर रहे हैं और चीफ सेक्रेटरी के स्तर पर भी सारा इंतजाम सरकार और सभी विभागों के द्वारा किया जा रहा है। सभी लोग सक्रिय हैं। जो सम्भावना है कि इस बार भी काफी संख्या में लोग आयेंगे।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के साथ पथ निर्माण मंत्री श्री नंद किशोर यादव, पटना की मेयर श्रीमती सीता साहू, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, प्रधान सचिव पथ निर्माण श्री अमृत लाल मीणा, प्रधान सचिव नगर विकास श्री चैतन्य प्रसाद, प्रधान सचिव, ऊर्जा श्री प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, सचिव ग्रामीण कार्य, सचिव पर्यटन, आयुक्त पटना प्रमंडल श्री आनंद किशोर, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, आई0जी0 पटना श्री नैय्यर हसनैन खां, पटना जिलाधिकारी श्री संजय कुमार अग्रवाल, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री मनु महाराज, वैशाली की जिलाधिकारी रचना पाटिल सहित अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

******